**आरती युगल किशोर की कीजै**

* **आरती युगल किशोर की कीजै ।  
  तन मन धन न्योछावर कीजै ॥  
    
  गौरश्याम मुख निरखन लीजै ।  
  हरि का रूप नयन भरि पीजै ॥  
    
  रवि शशि कोटि बदन की शोभा ।  
  ताहि निरखि मेरो मन लोभा ॥  
    
  ओढ़े नील पीत पट सारी ।  
  कुंजबिहारी गिरिवरधारी ॥  
    
  फूलन सेज फूल की माला ।  
  रत्न सिंहासन बैठे नंदलाला ॥  
    
  मोर मुकुट कर मुरली सोहे |  
  नटवर वेष देखि मन मोहे |  
    
  कंचन थार कपूर की बाती ।  
  हरि आए निर्मल भई छाती ॥  
    
  श्री पुरुषोत्तम गिरिवरधारी ।  
  आरती करें सकल नर नारी ॥  
    
  नंदनंदन बृजभान किशोरी ।  
  परमानंद स्वामी अविचल जोरी ॥**

**================================**